पंजाब केसरी 04/02/2023

जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय के डीन डा. रोहित दत्त ने जी.एम.एन. कॉलेज के प्राचार्य का कार्यभार संभाला

अम्बाला छावनी, 3 फरवरी (कोचर): राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा दिए गए ए++ ग्रेड प्राप्त जी.एम.एन. कॉलेज में शुक्रवार को जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय के मैडीकल एंड एलाइड साइंसेज के डीन डा. रोहित दत्त ने कार्यभार सम्भाल लिया है।

इस मौके पर जी.एम.एन. कॉलेज के प्रंबधक समिति के प्रधान डा. गुरदेव सिंह, उपप्रधान के.जे.एस. भलाया, महासचिव अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आलोक गुप्ता, जी.एम.एन. कॉलेज ट्रस्ट एवं सोसायटी के प्रधान जसवंत राय जैन, प्रबंधक समिति के सदस्य ब्रिगेडियर डा. राहुल त्रेहन, सचिव देव सरुप माथुर और अन्य सदस्यों ने नवनियुक्त प्राचार्य डा. रोहित दत्त का अभिवादन किया।

कॉलेज में आयोजित हुई प्रेसवार्ता के दौरान महाविद्यालय प्रबंधक समिति के प्रधान डा. गुरदेव सिंह ने बताया कि जी.एम.एन. कॉलेज के लिए आज का दिन बड़ा गरिमापूर्ण है। एक प्रख्यात विदवान, कुशल प्रशासक व शिक्षाविद व्यक्तित्व के धनी डा. रोहित दत्त ने इस महाविद्यालय के प्राचार्य पद को सुशोभित किया है।

डा. गुरदेव सिंह ने बताया कि डा. रोहित दत्त ने जी.डी. गोयनका विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों पर रहते हुए अपनी सृजनात्मक सोच अपने शोधकार्य के माध्यम से विश्वविद्यालय को एक नए मुकाम पर पहुंचाया। उनका अब कॉलेज में उद्देश्य यही रहेगा कि विद्यार्थी महाविद्यालय से पढ़ाई पूरी करके जाए तो उनके पास रोजगार हो।

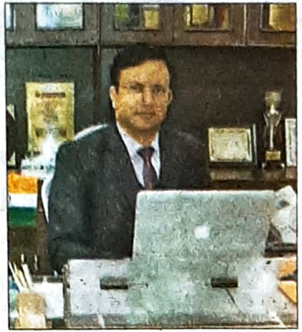

कॉलेज में प्राचार्य का कार्यभार संभालते डा. रोहित दत्त।

बताया कि डा. रोहित दत्त का शोध के क्षेत्र में कई वर्षों का अनुभव है, राष्ट्रीय व अतंरराष्ट्रीय स्तर पर उनके 100 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं और इनकी संबंधता देश-विदेश की विभिन्न कंपनियों और संस्थाओं से रही है, जिसका लाभ महाविद्यालय के विद्यर्थियों के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। बुखारा स्टेट मैडीकल यूनिवर्सिटी उज्बेकिस्तान में डा. रोहित दत्त को मानद प्रोफेसर की उपाधि से अलंकृत किया जा चुका है।

एन.ए.पी. के तहत करवाई जाएगी तैयारियां

प्रेसवार्ता के दौरान डा. रोहित दत्त ने कहा कि जी.एम.एन. कॉलेज में वह अपने अनुभव व दूरदर्शिता से इस महाविद्यालय को एन.ई.पी.-2020 के मद्देनजर एक नए शिक्षण माहौल को स्थापित करने के प्रयास करेंगे।

उनका यह लक्ष्य रहेगा कि विद्यार्थियों को दी जाने वाली शिक्षा, को रोजगार उनके चौमुखी विकास के साथ जोड़ा जाए।

नए कोर्सों को शुरू करने के साथ-साथ ऐसे कोर्स चलाए जाएंगे जिसमें विद्यार्थी समय की मांग के अनुसार अपने अंदर ऐसे स्किल पर आधारित प्रोग्राम कर सके।

बताया कि महाविद्यालय की प्रत्येक डिग्री को इंडस्ट्री से जोड़ने का प्रयास रहेगा और विभिन्न कंपनियों व संस्थाओं से एम.ओ.यू. हस्ताक्षर करवाए जाएंगे ताकि महाविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसर मिलें।